

جي بهر ڪے ڪر لو مؤمنين ماتم حسين ڪا،
چھوڙيگا هر اک غم سے همين غم حسين ڪا،

زخم جگر ڪے درد ڪو زخمي سے پوچھيئے،
بهر ديگا هر اک زخم يہ مرحم حسين ڪا،

جاگير مليگي اسے جنۃ ڪي باليقين،
نڪليگا اشڪ، چشم سے جس دم حسين ڪا،

رکھي خدا نے شمع امامت جلي هوئي،
بيمار ڪر بلاء هو آدم حسين ڪا،

صبر و رضا و شڪر ڪا هم ڪو ملا درس،
چھوڙا جو اسڪو هوئيگا سر خم حسين ڪا،

دل ڪو نهين سڪون بغير غم حسين،
هر دن همارا اب هے محرم حسين ڪا،

ملي هے شفاء مرض ميں زمزم ڪے پاني سے،
ڪر بل ڪي خاڪ بن گئي زمزم حسين ڪا،

جو بهي بلند هوتا هے گرتا هے وه ايڪ دن،
قائم رهيگا اوج يہ پرچم حسين ڪا،

روتا نهين جو سن ڪے غم شاه هے پتھر،
رو ديتا هے وه هي جو هے هم دم حسين ڪا،

مولي زڪي الدين هے داعي حسين ڪے،
تا حشر هوگا نام معظم حسين ڪا،

انور تجھے حسين ڪي خدمت هوئي عطا،
بن پايا هے تو اس سے مڪرم حسين ڪا،

अ भर के कर लो मुमेनीं मातम लुसैन का,
छोडेगा डर अक गम से डमें गम लुसैन का.

अपमे जिगर के दई को अप्पी से पुछीअे,
भर देंगा डर अक अप्प ये मरडम लुसैन का.

अगीर मिलेगी उसे जन्नत की बिल यकीं,
निकलेगा अशक, यश्म से जिस दम लुसैन का.

रप्पी भुटा ने शम्अे ईमामत जली लुवी,
भीमारे करबला लुवा आदम लुसैन का.

सबरो रजाओ शुक्र का डम को मिला दरस,
छोडा जो ईसको डोअेंगा सर अपम लुसैन का.

दिल को नडीं सुकून भगैरे गमे लुसैन,
डर दिन डमारा अब है मोडर्रम लुसैन का.

मिलती है शिक्षा मर्ज में जमजम के पानी से,
करबल की पाक बन गयी जमजम लुसैन का.

जो भी अवंद डोता है गिरता है वो अक दिन,
काईम रहेगा औज पे परयम लुसैन का.

रोता नलि जो सुन के गमे शाड, डे पत्थर,
रो देता डे वोडी जो डे डमदम लुसैन का.

मौवा अकीयुदीन हैं दार् लुसैन के,
ता डश्र डोंगा नाम मोअजजम लुसैन का.

अनवर तुजे दुसैन की प्रियमत दुई अता,
अन पाया छे तुं उस से मुकररम दुसैन का.

الوزارة العلوية، مكاسر الدعوة العلوية

محمد نور الدين غفر الله له

محرم الحرام ١٤٤٣